International Research Journal of Human Resources and Social Sciences
ISSN(O): (2349-4085) ISSN(P): (2394-4218)
Impact Factor- 5.414, Volume 5, Issue 1, January 2018
Website- www.aarf.asia, **Email** : editor@aarf.asia , editoraarf@gmail.com

''माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के विद्यार्थियों में पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन''

अशरफ उन नबी खान
शोधार्थी, षिक्षा संकाय, बरकतउल्ल विष्वविद्यालय, भोपाल
डॉ. एन.के. कौशिक
प्राचार्य, महाराणा प्रताप कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रातीबड़ भोपाल

प्रस्तुत शोधपत्र का उद्देश्य माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना है। इस हेतु न्यादर्श के रूप में 300 विद्यार्थियों {दिल्ली क्षेत्र (75 छात्र एवं 75 छात्राएं) तथा भोपाल क्षेत्र (75 छात्र एवं 75 छात्राएं)} का चयन कर उन पर पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रशासन किया गया। प्राप्त परिणामों के अनुसार माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया। माध्यमिक स्तर के दिल्ली क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्रों में पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी।

मुख्य बिन्दू – माध्यमिक स्तर, पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति

पर्यावरण मनुष्य के अस्तित्व का प्रमुख आधार है, इसके बिना मनुष्य का अस्तित्व संभव नहीं है। पर्यावरण मनुष्य के लिये कई प्रकार से उपयोगी होता है उसके कई घटक जैसे जंगल, जमीन, वर्षा बहुत ही उपयोगी हैं। इसलिए पर्यावरण को स्वच्छ नही रखा गया तो वह व्यक्ति और समाज के लिए बहुत ही नुकसानदायक हो सकता है। इसके लिए मनुष्य को पर्यावरण की महत्वता को समझना होगा। पर्यावरण की महत्वता को समझाते हुए 'चाणक्य' ने लिखा है कि – ''साम्राज्य की स्थिरता पर्यावरण की स्थिरता पर आधारित होती है।''

रेने दुलोस के मतानुसार – पर्यावरण मनुष्य की ईश्वर की और से मिली हुई अनोखी देन है, सच में वह कुदरत की पवित्रता और सुंदरता का प्रतीक है, उसकी रक्षा करना हमारे जीवन का परम कर्तव्य है।

परंतु वर्तमान समय में तेजा से बढ़ती हुई जनसंख्या तथा इसके परिणामस्वरूप बढ़ती हुई गतिविधियों, पर्यावरण में उत्पन्न विक्षोभ और औद्योगीकरण ने प्रदूषकों की मात्रा में वृद्धि करके मनुष्य के लिए समस्या उत्पन्न कर दी है। पर्यावरण प्रदूषण की बढ़ती समस्याओं के कारण विष्व का ध्यान इस ओर गया है और अब वक्त आ गया है कि हम इस समस्या से सचेत हो, क्योंकि प्रत्येक मनुष्य इस पर्यावरण का सदस्य है तो उसकी इसमें भागीदारी है। पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त करने के लिए यह आवष्यक है कि हम हर व्यक्ति को पर्यावरण प्रदूषण के बारे में जानकारी प्रदान करें और उसे पर्यावरण प्रदूषण

© **Associated Asia Research Foundation (AARF)**
A Monthly Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International e-Journal - Included in the International Serial Directories.

के सम्बंध में जागरूक बनाए। पर्यावरण प्रदूषण को कानून बनाकर दूर नहीं किया जा सकता जितना कि लोगों को षिक्षा देकर, इसलिये यह आवष्यक है कि हम वर्तमान और आने वाली पीढ़ी को वातावरण प्रदूषण के संबंध में जागरूक बनाएं तथा हम मनुष्यों में एवं विषेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति उचित अभिवृत्ति उत्पन्न कर सकें तभी हम एक सुंदर एवं सुखद भविष्य की कल्पना कर सकते हैं। अतः इसी कारण से शोधकर्ता ने माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करने का निश्चय किया।

इस संदर्भ में पूर्व में भी कुछ शोध कार्य किए गये हैं जैसे **शाहनबाज (1990)** ने माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों और विद्यार्थियों में पर्यावरण जागरूकता एवं अभिवृत्ति का अध्ययन किया। इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला कि पर्यावरणीय जागरूकता एवं अभिवृत्ति ग्रामीण क्षेत्र के अध्यापक के विद्यार्थियों की अपेक्षा शहरी क्षेत्र के अध्यापक के विद्यार्थियों में अधिक है। **प्रहराज, बी. (1991)** ने माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की पर्यावरण संबंधित ज्ञान तथा अभिवृत्ति का अध्ययन किया। इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकाला कि सेवापूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों की सेवाकालीन प्रशिक्षण प्राप्त शिक्षकों का पर्यावरण संबंधित ज्ञान तथा अभिवृत्ति ज्यादा है। **घोष, कुमुद (2014)** ने असम राज्य के गोलघाट जिले के माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के मध्य पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर पाया गया। **अरल, नेस; बैरम, नुरान एवं कैलिक, चिगुर (2017)** ने हाईस्कूल स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति जागरूकता एवं पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति के मध्य संबंध का अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्षतः ज्ञात हुआ कि पर्यावरण जागरूकता का पर्यावरण के प्रति अभिवृत्ति पर सार्थक प्रभाव पाया गया तथा उच्च स्तर की पर्यावरण जागरूकता वाले विद्यार्थियों की पर्यावरण के प्रति उच्च अभिवृत्ति पाई गई।

उद्देश्य

1. माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के दिल्ली/भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

1. माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।
2. माध्यमिक स्तर के दिल्ली/भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

न्यादर्श

न्यादर्श के चयन के लिए दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र में स्थित 04 माध्यमिक विद्यालयों (02 दिल्ली एवं 02 भोपाल क्षेत्र) का चयन कर इन विद्यालयों की कक्षा 10वीं में अध्ययनरत 300 विद्यार्थियों (150 छात्र एवं 150 छात्राओं) का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा किया गया।

उपकरण

माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करने के लिए स्वनिर्मित पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी का निर्माण किया गया है।

शोध विधि

सर्वप्रथम दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र में स्थित में स्थित समस्त माध्यमिक विद्यालयों की सूची प्राप्त की गई तथा इस सूची में से 04 माध्यमिक विद्यालयों (02 दिल्ली एवं 02 भोपाल क्षेत्र) का चयन कर इन विद्यालयों की कक्षा 10वीं में अध्ययनरत 300 विद्यार्थियों {दिल्ली क्षेत्र के 150 (75 छात्र एवं 75 छात्राएं) तथा भोपाल क्षेत्र के 150 (75 छात्र एवं 75 छात्राएं)} का चयन साधारण यादृच्छिक विधि द्वारा कर उन पर पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रशासन किया गया। प्राप्तांकों के आधार पर मास्टर शीट तैयार की गई। क्रांतिक अनुपात परीक्षण के द्वारा आंकड़ों का विश्लेषण किया गया तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किए गये।

परिणामों का विश्लेषण

तालिका 01 माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति संबंधी तुलनात्मक परिणाम

समूह	निवास क्षेत्र	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	'पी' मान
छात्र	दिल्ली	75	49.56	13.08	0.72	> 0.05
	भोपाल	75	51.08	12.73		
छात्रा	दिल्ली	75	46.11	14.58	0.01	> 0.05
	भोपाल	75	46.09	10.19		
विद्यार्थी	दिल्ली	150	47.83	13.96	0.51	> 0.05
	भोपाल	150	48.59	11.80		

स्वतंत्रता के अंश 148, 298 0.05 स्तर पर सार्थकता का मान – 1.98, 1.97

0.01 स्तर पर सार्थकता का मान – 2.61, 2.59

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि इनके लिए प्राप्त क्रांतिक अनुपात के मान क्रमशः 0.72, 0.01, 0.51 स्वतंत्रता के अंश क्रमशः 148, 298 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम मान 1.98, 1.97 की अपेक्षा कम हैं।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता हैं कि माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

तालिका 02 माध्यमिक स्तर के दिल्ली/भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति संबंधी तुलनात्मक परिणाम

निवास क्षेत्र	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	क्रांतिक अनुपात मान	'पी' मान
दिल्ली	छात्र	75	49.56	13.08	1.53	> 0.05
	छात्राएं	75	46.11	14.58		
भोपाल	छात्र	75	51.08	12.73	2.65	> 0.05
	छात्राएं	75	46.09	10.19		

स्वतंत्रता के अंश 148 0.05 स्तर पर सार्थकता का मान – 1.98

0.01 स्तर पर सार्थकता का मान – 2.61

उपरोक्त सारणी में प्रदर्शित परिणामों से स्पष्ट है कि माध्यमिक स्तर के दिल्ली क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 1.53 स्वतंत्रता के अंश 148 पर सार्थकता के 0.05 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम मान 2.37 की अपेक्षा कम है जबकि भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर है, क्योंकि प्राप्त क्रांतिक अनुपात का मान 2.65 स्वतंत्रता के अंश क्रमशः 148 पर सार्थकता के 0.01 स्तर के लिए निर्धारित न्यूनतम मान 2. 61 की अपेक्षा अधिक है।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता हैं कि माध्यमिक स्तर के दिल्ली क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्रों में पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी।

निष्कर्ष

1. माध्यमिक स्तर के दिल्ली एवं भोपाल क्षेत्र के छात्र/छात्रा/विद्यार्थियों की विद्यार्थियों की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया।
2. माध्यमिक स्तर के दिल्ली क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर नहीं पाया गया जबकि भोपाल क्षेत्र के छात्र एवं छात्राओं की पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति में सांख्यिकीय दृष्टिकोण से सार्थक अंतर पाया गया तथा छात्रों में पर्यावरण षिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, छात्राओं की तुलना में उच्च पाई गयी।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

गोयल, एम. के. (2007–08) **'पर्यावरण शिक्षा',** अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा, पृष्ठ क्रमांक 54

जैन, एस.के. (2004) **'पर्यावरण शिक्षा',** अग्रसेन शिक्षा प्रकाशन, जयपुर, पृष्ठ क्रमांक 67

श्रीवास्तव, पंकज (2008) **'पर्यावरण शिक्षा',** म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल पृष्ठ क्रमांक 04

शर्मा, आर.ए. (2008) **'पर्यावरण शिक्षा',** आर.लाल बुक डिपो, मेरठ पृष्ठ क्रमांक 52

श्रीवास्तव, डी.एन. (नवीन संस्करण) **'सांख्यिकीय एवं मापन',** विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, पृष्ठ क्रमांक 89

Aral, Nese; Bayram, Nuran and Celir, Cigur (2017) *A study of Relationship between Environmental Awareness and Environmental Attitudes among High school students*, International Journal of Recent Advances in organizational Behaviors and Decision Sciences (IJRAOB), Volume 3, Issue 1, 2017, Page No. 948-955

Ghosh, Kumud (2014) *Environmental Awareness among secondary school students of Galaghat District in the State of Assam and their Attitude towards Environment Education*, IOSR Journal of Humanities and Social Science (IOSR-JHSS), Volume 19, Issue 3, Ver. II, March 2014, Page No. 30-34

Shahnawaj (1990) *Environmental awareness and environmental attitude of secondary and higher secondary schools teachers and students*, Ph. D. Education, University of Rajasthan, in Fifth Survey of Educational Research (1988-1992), Volume 2, NCERT New Delhi, Page No. 1759

Praharaj, B. (1991) *Environmental knowledge, environmental attitude and perception regarding environmental Education among pre-service and in-service secondary schools teacher*s, Ph. D. Education, The Maharaja Sayajirao University of Baroda, in Fifth Survey of Educational Research (1988-1992), Volume 2, NCERT New Delhi, Page No. 1756-1757